(d) The recommendations made by the Gnanam Committee have been examined by a Sub-Committee of the Central Advisory Board of Education (CABE). The recommendations of Gnanam Committee will be considered by the CABE whereafter action for implementation can be taken.

Setting up of a Central University at Cudappah in A.P.

727. DR. NARREDDY THULASI REDDY : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) what are the criteria for establishing Central Universities;

(b) whether there is any proposal to establish a Central University at Cudappah in Andhra Pradesh ;

(c) if so, the details thereof ; and

(d) if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KM. SELJA) : (a) Central Universities in the country have generally been set up in response to historical, cultural and Considerations of Centre-State relations.

(b) No, Sir.

(c) and (d) The programme of Action on the National Policy on Education 1992 does not favour establishment of new Central Universities.

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

728. **श्री पर्वतनेनि उपेन्द्र** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय साक्षरता मिशन वांछित परिणाम प्राप्त नहीं कर पा रहा है;

(ख) यदि हां, तो मिशन के अपने लक्ष्यों को प्राप्त न कर पाने के क्या कारण हैं, और

(ग) सरकार मिशन की सफलता सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठा रही है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कु. शैलजा) : (क) से (ग) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का उद्देश्य, वर्ष 1995 तक 15 से 35 आयु वर्ग के 8 करोड़ प्रौढ़ निरक्षरों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना है। इस मिशन के अंतर्गत, पूर्ण साक्षरता अभियान मुख्य कार्य नीति बना हुआ है। मिशन के इस सम्पूर्ण उद्देश्य के लिए, इस प्रयोजनार्थ किए गए सर्वेक्षण पर आधारित प्रत्येक पूर्ण साक्षरता अभियान जिले के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक स्वीकृत 161 पूर्ण साक्षरता अभियान परियोजनाओं में सर्वेक्षण के बाद 459.79 लाख का लक्ष्य रखा गया, जिसमें से 307.54 लाख व्यक्तियों का प्रभावी नामांकन किया गया जिसमें से अब तक 147.96 लाख व्यक्ति साक्षर बना दिए गए हैं। अन्य कार्यक्रमों के तहत, 75.66 लाख अनुमानित व्यक्तियों को साक्षर बनाया गया।

पूर्ण साक्षरता अभियान कार्यक्रम की संकल्पना, देश के सभी भागों में सफल रही है, फिर भी, इसके कार्यान्वयन में निम्नलिखित दिक्कतें उठानी पड़ीं :–

(i) यद्यपि यह मिशन मई, 1988 में आरंभ किया गया। अभियान दृष्टिकोण के रूप में इस की शुरुआत केवल 1990–91 में की गई।

(ii) विभिन्न राष्ट्रीय या स्थानीय दंगों/झगड़ों के कारण न्याय एवं व्यवस्था समस्याओं ने, कार्यक्रम के कार्यान्वयन में रूकावट डाली।